MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x10=10)

प्रश्न.1 सूरदास के "वात्सल्य वर्णन"को समझाइये।
प्रश्न.2 तुलसीदास की "विनय भावना" को दर्शाइये।
प्रश्न.3 रानी पद्मावती के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
प्रश्न.4 सूरदास जी की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।
प्रश्न.5 तुलसीदास जी के समन्वयभाव को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न.6 घनानंद को प्रेम के पीर क्यों कहा गया है।
प्रश्न.7 भक्ति काल की विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न.8 पद्मावत में सिंहलद्वीप का वर्णन किस प्रकार किया गया है ?
प्रश्न.9 वीरगाथा काल की दो विशेषताएं एवं प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
प्रश्न.10 रीतिकालीन काव्यधारा में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।
प्रश्न.11 मलिक मोहम्मद जायसी का साहित्यिक परिचय लिखिए।
प्रश्न.12 तुलसीदास की काव्यात्मक विशेषताएं लिखिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4x5=20)

प्रश्न.1 "घनानंद का मूलतः"किस प्रकार का है? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न.2 भक्तिकाल की विशेषताएँ बतलाइये।
प्रश्न.3 संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

(अ) सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लचन अनंत उघाडिया , अनंत दिखावणहार।।
राम नाम के पटतरै देवे कुछ नांहि।
क्या ले गुरू संतोषिए हौंस रही मम मांहि।।

(ब) पुष्प नखत सिर ऊपर आवा।
हौ बिनु नाह मंदिर को छावा।।
यह तन जारौ झारि कै, कहौ कि पवन उड़ाव।
म्कु तेहि मारग उड़ि परै, कंत चरै जहाँ पांव।।

प्रश्न.4 हिंदी साहित्य में भक्ति काल का आविर्भाव किन परिस्थितियों में हुआ? अपने विचार प्रकटकीजिए।
प्रश्न.5 चन्द्रबरदाई बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। व्याख्या कीजिए।
प्रश्न.6 पृथ्वीराज रासौ के महाकाव्यत्व प्रकाश डालिए।
प्रश्न.7 सूरदास के भृमरगीतों की विशेषताएं बताईए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 घनानंद की विरह वेदना को चित्रित कीजिए।

प्रश्न.2 निम्नलिखित पद की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

औखिया हरि – दसरन की भूखी।
कैसे रहैं रूप रसराची ये बतियां सुनी रूखी।।
अवधि गनत इकटक मग जोबत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पलूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता है सुखी।।

प्रश्न.3 "तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन के संबंध में विवेचना कीजिए।

प्रश्न.4 कबीर के काव्य में रहस्यवाद की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.5 पद्मावत के प्रबंध सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.6 अष्टछाप कवियों में सूरदास जी का स्थान निरूपित कीजिए।

प्रश्न.7 वीरगाथा काल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न.8 जायसी के प्रमुख महाकाव्य के नाम लिखिए।

प्रश्न.9 घनानन्द की मुख्य रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न.10 तुलसीदास का परिचय दीजिए।

प्रश्न.11 नागमती अथवा पदावती का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न.12 घनानंद के "सुजान–प्रेम" को दर्शाइये।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 निम्नलिखित पद की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

औखिया हरि – दसरन की भूखी।
कैसे रहैं रूप रसराची ये बतियां सुनी रूखी।।

अवधि गनत इकटक मग जोबत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पलूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता है सुखी।।

प्रश्न.2 "तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन के संबंध में विवेचना कीजिए।

प्रश्न.3 कबीर के काव्य में रहस्यवाद की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.4 जायसी की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न.5 वीरगाथा काल की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न.6 घनानंद की प्रेम व्यंजना का उल्लेख लिखिए।

प्रश्न.7 रीतिकाल की विशेषताएं लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः काव्यशास्त्र एवं साहित्य सिद्धांत

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग — अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 अस्तित्वाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी मान्यताओं को लिखिए।

प्रश्न.2 "विरेचन" का अर्थ समझाइये।

प्रश्न.3 तुलनात्मक आलोचना से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.4 अभिव्यंजनावाद से आप क्या समझते है ?

प्रश्न.5 वक्रोक्ति को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न.6 काव्यशास्त्र में ध्वनि को काव्य की आत्मा क्यों कहा जाता है ?

प्रश्न.7 टी.एस. इलियट की काव्य मान्यताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.8 वर्ड्सवर्थ की काव्य संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न.9 भारतीय आचार्यों के अनुसार काव्य की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न.10 रस के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न.11 ध्वनि सिद्धांत का परिचय दीजिए।

प्रश्न.12 लोंजाइनस के उदात्त की अवधारणा को सोदाहरण लिखिए।

भाग — ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 रस के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए रस निष्पत्ति के सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.3 आचार्य मम्मट, विश्वनाथ और पंडित जगन्नाथ के काव्य लक्षणों का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न.4 अरस्तु के विरेचन सिद्धांत को सरल वाक्यों में समझाइए।

प्रश्न.5 काव्य प्रयोजन की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.6 रस किसे कहते हैं? रस के प्रकार व उसके स्थायी भाव लिखिए।

प्रश्न.7 काव्य गुण कितने प्रकार के हैं? वर्णन कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल
Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः काव्यशास्त्र एवं साहित्य सिद्धांत

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x10=10)

प्रश्न.1 स्वच्छंदतावाद क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 आलोचना क्या है? आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.3 वक्रोक्ति सिद्धांत से क्या आशय है ? इसके भेद लिखिए।

प्रश्न.4 काव्य गुणों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.5 टी.एस इलियट का परिचय दीजिए।

प्रश्न.6 अरस्तु का विवेचन सिद्धांत पर लेख लिखिए।

प्रश्न.7 टी.एस.इलियट की कविता का वस्तुनिष्ठ सिद्धांत क्या है? समझाईए।

प्रश्न.8 वक्रोति की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.9 ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद लिखिए।

प्रश्न.10 रस सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.11 अलंकार के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.12 प्लेटो के काव्य सिद्धान्त की क्या विशेषताए हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4x5=20)

प्रश्न.1 काव्य–प्रयोजन से क्या आशय है ? उसके प्रकारों को समझाइये।

प्रश्न.2 'उदात्त विचारों का पोषण आत्मा द्वारा होता है' इस कथन को समझाइये।

प्रश्न.3 अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.4 रस के विभिन्न अंगों का विस्तृत रूप से परिचय दीजिए।

प्रश्न.5 अलंकार को काव्य की आत्मा क्यो कहा जाता है? इस कथन को सिध्द कीजिए।

प्रश्न.6 वक्रोक्ति और उसके भेदों का सम्यक परिचय दीजिए।

प्रश्न.7 लोंजाइनस के सिद्धांतों को विस्तृत रूप से समझाइए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः हिन्दी साहित्य का इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग — अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 आधुनिक काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 छायावाद से क्या आशय है? छायावाद के 04 प्रमुख साहित्यकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न.3 नयी कविता से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.4 छायावाद एवं रहस्यवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 पृथ्वीराज रासों की प्रमाणिकता पर विचार प्रस्तुत कीजिए?

प्रश्न.6 'रीतिकाल' नाम के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.7 प्रयोगवाद से आप क्या समझते है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.8 हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन कीजिए।

प्रश्न.9 दरबारी संस्कृति की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न.10 भक्तिकाल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न.11 प्रयोगवाद के जनक कौन माने जाते हैं?

प्रश्न.12 नई कविता से क्या तात्पर्य है? समझाइए।

भाग — ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 सिद्ध और नाथ साहित्य से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.2 पुनर्जागरण काल के प्रमुख कवियों के अवदानों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.3 रीतिकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.4 निर्गुण सन्त कवियों का भक्ति साहित्य में क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 रीतिकाल के महत्व को विस्तृत रूप से समझाइए।

प्रश्न.6 निर्गुण व सगुण काव्यधारा में अंतर लिखिए।

प्रश्न.7 रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त से क्या तात्पर्य है?

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः हिन्दी साहित्य का इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न.2 प्रगतिवाद का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी मुख्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

प्रश्न.3 आधुनिक काल के किन्हीं दो कहानीकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न.4 प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न.5 भक्तिकाल को कितने भागों में विभाजित किया गया है ? समझाइये।

प्रश्न.6 दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

प्रश्न.7 पुनर्जागरण काल से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.8 साहित्य इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न.9 सगुन भक्ति काव्य की दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न.10 ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न.11 श्रीकृष्ण भक्तिकाव्य की दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न.12 भक्तिकाल की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन पर अपने विचार रखिए।

प्रश्न.2 आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझाइये।

प्रश्न.3 रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.4 निर्गुण भक्ति काव्यधारा को विस्तृत रूप से समझाइए।

प्रश्न.5 द्विवेदी युग की प्रमुख साहित्यकारों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न.6 भारतेन्दू हरिशचंद्र आधुनिक काल के जनक हैं। सिद्ध कीजिए।

प्रश्न.7 किसी एक पर टिप्पणी लिखिए –

1. प्रयोगवाद
2. प्रगतिवाद
3. नई कविता

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (क) विशेष कवि का अध्ययन ''सूरदास''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x10=10)

प्रश्न.1 सूर के काव्य में वर्णित श्रृंगार की विवेचना कीजिए।
प्रश्न.2 सूर का "वियोग श्रृंगार"वर्णन में कोई सानी (बराबरी) नहीं कैसे? समझाइये।
प्रश्न.3 सूरदास की कृष्ण भक्ति पर अपने विचार दीजिए।
प्रश्न.4 सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न.5 अष्टछाप कवियों में सूरदास जी का स्थान निरूपित कीजिए।
प्रश्न.6 'सूर सूर तुलसी शशि' की उक्ति के आधार पर सूरदास जी के साहित्य की चर्चा कीजिए ?
प्रश्न.7 साहित्य लहरी में सूरदास जी क्या बताना चाहते है?
प्रश्न.8 भक्तिकाल के कृष्णभक्त कवियों में सूरदासजी की श्रेष्ठता सिद्ध कीजिए।
प्रश्न.9 सूरदास की भाषा –शैली स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न.10 सूरदास प्रकृति के चतुर चितेरे हैं।व्याख्या कीजिए।
प्रश्न.11 गीति काव्य में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।
प्रश्न.12 सागर –सूर सार का परिचय दीजिए

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4x5=20)

प्रश्न.1 सूरदास जी की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न.2 सूरदास जी को वात्सल्य रस का सम्राट क्यों कहा जाता है ?
प्रश्न.3 'भ्रमरगीत' एक उपालंभ काव्य है। " सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न.4 सूरदासजी का जीवन परिचय सविस्तार लिखिए।
प्रश्न.5 व्याख्या कीजिए –

काहे को गोपी नाथ कहावत्?
जो पै मधुकर कहत हमारे गोकुल काहे न आवत ?
सपने की पहिचानि जानि कै हमहिं कलेक लगावत।
जो पै श्याम कूबरी रीक्षे सो किन नाम धरावत्?
ज्यों गजराज काज के औसर औरै दसन दिखावत।
क्हत सुनन को हम हैं ऊधो सूर अनंत बिरमावत।।

प्रश्न.6 सूरदास की रासलीला पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।
प्रश्न.7 अष्टछाप कवियों पर एक लेख लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (क) विशेष कवि का अध्ययन ''सूरदास''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 सूर की भक्ति किस भाव की थी?

प्रश्न.2 सूर के काव्य में वात्सल्य के कुछ उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न.3 सूर के "भाव—पक्ष" को निरूपित कीजिए।

प्रश्न.4 सूरदास जी की सगुण उपासना पर विचार व्यक्त कीजिए।।

प्रश्न.5 'सूरदास जी का उद्ध्व प्रसंगभाव प्रेरित है' समझाइये ।

प्रश्न.6 'सूरदास जी की विनय भावना उनकी रचनाओं में प्राप्त होती है' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.7 सूर के तीन भ्रमरगीतों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न.8 सूरदास की रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न.9 गीतिकाव्य परम्परा क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.10 पुष्टि मार्ग किसे कहते है? समझाइए।

प्रश्न.11 सूरदास की राधा पर एक टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न.12 सूरदास के दो पद लिखिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न.1 "महाकवि सूरदास का वियोग जितना मार्मिक है उतना किसी और का नही" तर्क संगत उत्तर दीजिए।

प्रश्न.2 वात्सल्य के क्षेत्र में सूर सम्राट हैं। वे उसका कोना—कोना झांक आए हैं। इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.3 सूरकाव्य की भाषागत विशेषताओं का सप्रमाण परिचय दीजिए।

प्रश्न.4 सूरदास जी के भ्रमरगीत की कथा के स्वरूप और उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 कृष्ण काव्य धारा में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न.6 सूर पुष्टिमार्ग के जहाज है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.7 सूर की गोपियों की वाकपटूता का चरित्रांकन कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (ख) विशेष कवि का अध्ययन ''सूर्यकांत त्रिपाठी निराला''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x10=10)

प्रश्न.1 सूर्यकांत त्रिपाठी का जीवन—परिचय दीजिए।

प्रश्न.2 'निराला' जी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न.3 निराला जी विद्रोही कवि क्यों कहलाते थे?

प्रश्न.4 सरोज के नववधू रूप का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न.5 निराला की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.6 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का सार लिखिए ?

प्रश्न.7 निराला जी का साहित्य में स्थान निरूपित कीजिए ?

प्रश्न.8 'जागो फिर एक बार' कविता के माध्यम से भारतीय नवयुवकों को देश के प्रति समर्पित होने का क्या संदेश देते है ?

प्रश्न.9 निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए।

प्रश्न.10 निराला की काव्य—शिल्प को समझाइए।

प्रश्न.11 निराला के प्रमुख कथा साहित्य पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न.12 निराला की साहित्य साधना भाग 2 का परिचय दीजिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4x5=20)

प्रश्न.1 महाप्राण निराला की कविता 'राम की शक्तिपूजा' हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न.2 'कुकुरमुत्ता' कविता में पूंजीवादी व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है सतर्क उत्तर दीजिए।

प्रश्न.3 निराला के काव्य में युग दर्शन के परिरक्षण का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न.4 निराला के प्रमुख कथा साहित्य पर विस्तृत रूप से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 निराला की आलोचना दृष्टि को समझाइए।

प्रश्न.6 निराला एक विद्रोही कवि थे, सिद्ध कीजिए।

प्रश्न.7 स्वच्छवादी काव्यधारा में निराला का स्थान बताईए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (ख) विशेष कवि का अध्ययन ''सूर्यकांत त्रिपाठी निराला''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 निराला जी की छंद–योजना के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.2 ' निराला सौंदर्य प्रेमी कवि थे'।उनकी कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.3 "राम की शक्ति पूजा" निराला जी की अनुपम प्रतिभा को व्यक्त करती है। कैसे?

प्रश्न.4 कुकुरमुत्ता कविता किस पृष्ठभूमि पर लिखी गई है ?

प्रश्न.5 सरोज के नव – वधु रूप का वर्णन सरोजस्मृति के आधार पर कीजिए।

प्रश्न.6 निराला के काव्य में प्रगतिवादी चिंतन को दर्शाइए।

प्रश्न.7 निराला जी को महाप्राण क्यों कहा जाता है ?

प्रश्न.8 निराला की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न.9 निराला की भाषा–शैली को समझाइए।

प्रश्न.10 निराला का प्रगतिवाद में क्या योगदान रहा? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.11. डॉ. रामविलास शर्मा का परिचय दीजिए।

प्रश्न.12 निराला ने किन रूपों में साहित्य की सेवा की? समझाइए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 व्याख्या कीजिए –

लौटे युग – दल – राक्षस – पदतल पृथ्वी टलमल।
बिध महोल्लास से बार–बार आकाश विकल।।
वानर वाहिनी खिन्न, लचा निज पति चरण चिहन।
चल रही शिविर की ओर स्थविरहल ज्यों विभिन्न।।

प्रश्न.2 निराला की काव्य भाषा पर एक निंबध लिखिए

प्रश्न.3 राम की शक्ति पूजा का केंद्रीय भाव की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न.4 निराला के व्यक्तित्व व कृतित्व को विस्तृत रूप से समझाइए।

प्रश्न.5 तोड़ती पत्थर का सार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.6 छायावादी कवियों में निराला का स्थान लिखिए।

प्रश्न.7 निराला की राष्ट्रीयता का उल्लेख कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (ग) विशेष कवि का अध्ययन ''आचार्य विद्या सागर (मूकमाटी)''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x10=10)**

प्रश्न.1 हिन्दी संत काव्य परंपरा के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.2 आचार्य विद्या सागर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बतलाइये।

प्रश्न.3 मूकमाटी में निहित संदेश बतलाइये।

प्रश्न.4 मूकमाटी में धर्म का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 मूकमाटी का कोई पद्यांश लिखिए।

प्रश्न.6 हिन्दी संत काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों के नाम का उल्लेख करें।

प्रश्न.7 मूकमाटी काव्य का उद्देश्य लिखिए।

प्रश्न.8 आचार्य विद्यासागर की रचनाओं का परिचय दीजिये।

प्रश्न.9 मूकमाटी महाकाव्य की पात्र–योजना पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न.10 मूकमाटी महाकाव्य के प्रमुख पद्यांश में से किन्हीं चार पंक्तियों को लिखें।

प्रश्न.11 संत काव्य परम्परा में लोक मंगल की भावना पर लेख लिखिए।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(4x5=20)**

प्रश्न.1 मूकमाटी की पात्र–योजना लिखिए। ये पात्र आपको क्योंपसंद है।

प्रश्न.2 मूकमाटी–संचयन से कोई एक पद्यांश लेकर उसकी व्याख्या कीजिए।

प्रश्न.3 आधुनिक काव्य–परंपरा में मूकमाटी का स्थान निर्धारित करें।

प्रश्न.4 आचार्य विद्यासागर के जीवन और व्यक्तित्व का परिचय दीजिये।

प्रश्न.5 मूकमाटी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न.6 आचार्य विद्यासागर का जीवन–दर्शन लिखिए।

प्रश्न.7 आचार्य विद्यासागर के सामाजिक व धार्मिक योगदान पर प्रकाश डालिये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (JAN-DEC 2025)

विषयः (ग) विशेष कवि का अध्ययन ''आचार्य विद्या सागर (मूकमाटी)''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर अन्तिम तिथि तक जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

प्रश्न भाग – अ लघु उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1x10=10)

प्रश्न.1 विद्या–सागर जी आचार्य क्यों कहलाते हैं? अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न.2 आचार्य विद्या–सागर जी के रचना कर्म के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.3 "मूकमाटी"आपको क्यों पसंद हैं।

प्रश्न.4 "हिन्दी काव्य परम्परा"को दृष्टिगत रखते हुए किन्हीं एक संत पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

प्रश्न.5 "मूकमाटी" के किसी एक पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न.6 मूकमाटी में वर्णित भक्ति भावना पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न.7 इस महाकाव्य में व्यक्त जीवन–मूल्य का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न.8 मूकमाटी का उद्देश्य बताइये।

प्रश्न.9 मूकमाटी का अभिव्यंजना सौंदर्य बताइये।

प्रश्न.10 आचार्य विद्यासागर के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताऐं लिखिए।

प्रश्न.11 आचार्य विद्यासागर के व्यक्तित्व को दर्शाइये।

भाग – ब दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

इनमे से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4x5=20)

प्रश्न.1 "मूकमाटी" के पात्र क्या अपने चरित्र–चित्रण में खरे उतरते हैं? सोदाहरण समझाइये।

प्रश्न.2 "मूकमाटी" से "लोक मंगल"की कामना वाली कोई छः पंक्तियाँ लिखिए।

प्रश्न.3 ''आचार्य विद्यासागर के काव्य में लोकमंगल की भावना का प्राधान्य है'' इस कथन की समीक्षा कीजिये।

प्रश्न.4 आचार्य विद्यासागर के जीवनवृत्त और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.5 महाकाव्य के तत्वों के आधार पर ''मूकमाटी'' की समीक्षा करें।

प्रश्न.6 'मूकमाटी' धर्म–दर्शन और आध्यात्म का विरल संगम है– स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न.7 हिंदी संत काव्य परंपरा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये।